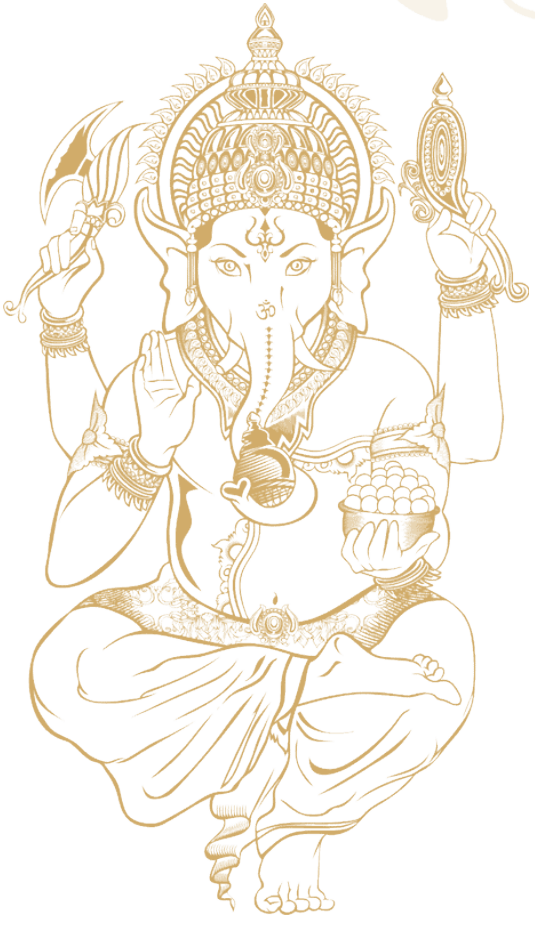

PARBHU NATH PATHAK

12 Oct 1946

07:29 AM

Garwa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121119015

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/10/1946**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:29:01 घंटे**
इष्ट	04:06:00 घटी
स्थान	**Garwa**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	24:09:00 उत्तर
रेखांश	83:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:34:29 घंटे
वेलान्तर	00:13:19 घंटे
साम्पातिक काल	08:54:41 घंटे
सूर्योदय	05:50:36 घंटे
सूर्यास्त	17:31:34 घंटे
दिनमान	11:40:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:02:00 कन्या
लग्न के अंश	16:14:32 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:14:32	318:31:09	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	25:02:00	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मेष	11:31:57	14:35:22	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	18:46:31	00:41:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध			तुला	13:06:42	01:27:21	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	10:22:51	00:12:51	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	04:52:43	00:31:01	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि			कर्क	14:21:57	00:04:08	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	19:58:06	00:05:56	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	19:58:06	00:05:56	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		वृष	28:36:15	00:00:44	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
नेप			कन्या	15:37:12	00:02:13	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			कर्क	19:59:54	00:00:54	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	18:05:58	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:06:32

लग्न-चलित

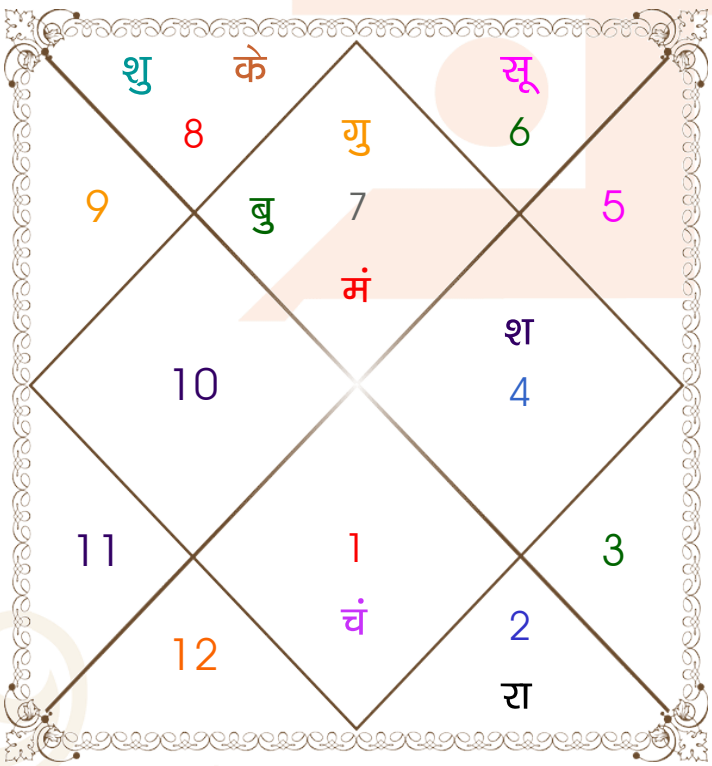

चन्द्र कुंडली

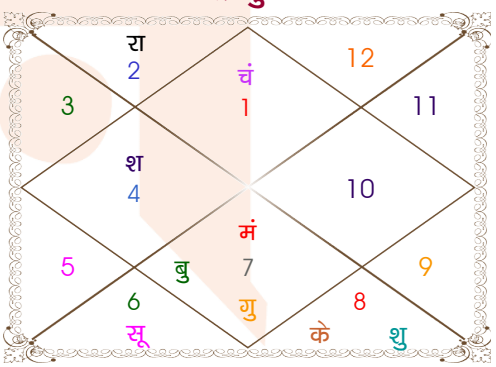

नवमांश कुंडली

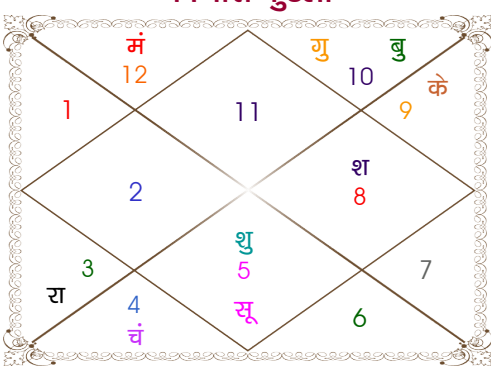

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 11 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/10/1946		22/09/1947		22/09/1967		22/09/1973		22/09/1983	
22/09/1947		22/09/1967		22/09/1973		22/09/1983		22/09/1990	
	00/00/0000	शुक्र	22/01/1951	सूर्य	10/01/1968	चंद्र	23/07/1974	मंगल	18/02/1984
	00/00/0000	सूर्य	22/01/1952	चंद्र	10/07/1968	मंगल	21/02/1975	राहु	08/03/1985
	00/00/0000	चंद्र	22/09/1953	मंगल	15/11/1968	राहु	22/08/1976	गुरु	12/02/1986
	00/00/0000	मंगल	22/11/1954	राहु	10/10/1969	गुरु	22/12/1977	शनि	24/03/1987
	00/00/0000	राहु	22/11/1957	गुरु	29/07/1970	शनि	23/07/1979	बुध	20/03/1988
	00/00/0000	गुरु	23/07/1960	शनि	11/07/1971	बुध	22/12/1980	केतु	16/08/1988
	00/00/0000	शनि	22/09/1963	बुध	17/05/1972	केतु	23/07/1981	शुक्र	16/10/1989
	12/10/1946	बुध	23/07/1966	केतु	21/09/1972	शुक्र	24/03/1983	सूर्य	21/02/1990
बुध	22/09/1947	केतु	22/09/1967	शुक्र	22/09/1973	सूर्य	22/09/1983	चंद्र	22/09/1990

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/09/1990		21/09/2008		21/09/2024		22/09/2043		21/09/2060	
21/09/2008		21/09/2024		22/09/2043		21/09/2060		12/10/2066	
राहु	04/06/1993	गुरु	10/11/2010	शनि	25/09/2027	बुध	18/02/2046	केतु	18/02/2061
गुरु	29/10/1995	शनि	23/05/2013	बुध	04/06/2030	केतु	15/02/2047	शुक्र	20/04/2062
शनि	04/09/1998	बुध	29/08/2015	केतु	14/07/2031	शुक्र	16/12/2049	सूर्य	25/08/2062
बुध	23/03/2001	केतु	04/08/2016	शुक्र	13/09/2034	सूर्य	22/10/2050	चंद्र	27/03/2063
केतु	11/04/2002	शुक्र	05/04/2019	सूर्य	26/08/2035	चंद्र	23/03/2052	मंगल	23/08/2063
शुक्र	10/04/2005	सूर्य	22/01/2020	चंद्र	26/03/2037	मंगल	20/03/2053	राहु	09/09/2064
सूर्य	05/03/2006	चंद्र	23/05/2021	मंगल	05/05/2038	राहु	07/10/2055	गुरु	16/08/2065
चंद्र	04/09/2007	मंगल	29/04/2022	राहु	11/03/2041	गुरु	12/01/2058	शनि	25/09/2066
मंगल	21/09/2008	राहु	21/09/2024	गुरु	22/09/2043	शनि	21/09/2060	बुध	12/10/2066

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 11 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।